विद्या भारती संकुल संवाद

सा विद्या या विमुक्तये

नवंबर 2023 कार्तिक - मार्गशीर्ष । विक्रमी सं. 2080

प्रारंभिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा बालिका शिक्षा की संयुक्त बैठक

34वां अखिल भारतीय खेलकूद समारोह (एथलेटिक्स), बेतिया (बिहार)

खेलों में भी करियर की असीम संभावनाएं- राज्यपाल

22वां अखिल भारतीय विज्ञान मेला, अमृतसर (पंजाब)

इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. निशंक ने नन्हें वैज्ञानिकों से किया संवाद

प्रारंभिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा बालिका शिक्षा की संयुक्त बैठक

रोहतक | हरियाणा | भारत युवा शक्ति का देश है। आज का बालक कल की युवा शक्ति बनेगा। बालक का किस प्रकार का विकास होना चाहिये यह पञ्चकोशीय विकास की अवधारणा में अपनाया गया है। विद्या भारती छात्रों के जीवन में विकास लाने के लिए विभिन्न प्रशिक्षण करती रहती है। कक्षा स्तर को और भी प्रभावकारी परिणाम की दृष्टि से विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान ने प्रारंभिक, माध्यमिक, उच्च माध्यमिक तथा बालिका शिक्षा की संयुक्त बैठक का आयोजन 28 से 30 अक्टूबर 2023 को शिक्षा भारती वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, गोहाना रोड, रोहतक में किया गया। बैठक में डा एस. मिश्रा (शिक्षा भारतीय सोसायटी अध्यक्ष), डा० एस के धक्कड जी (मुख्य अतिथि), श्री गोविन्द चन्द्र महन्त (अखिल भारतीय संगठन मंत्री), मा. श्रीराम आरावकर (अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री) सम्मिलित हुए जिसमे 11 क्षेत्रो के सभी प्रान्तों से 170 शिक्षाविदों ने भाग लिया। 28 विषयों पर श्रेष्ठ शिक्षण राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप करने की योजना है। ECCE का NCF प्रकाशित हो चुका है। पाठ्य पुस्तकें तैयार हो रही है। शेष 3 स्टेज का NCF आने वाला है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत केन्द्रित शिक्षा है। पाठ्यक्रम में भारत को स्थान देना ध्येय है।

मा. श्रीराम आरावकर, अखिल भारतीय सह-संगठन मंत्री-विद्या भारती ने बताया कि शिशु शिक्षा हेतु शिशु वाटिका परिषद का गठन किया गया। उसके उपरान्त प्रीपेटरी, मिडिल और सेकण्डरी स्तर की परिषद गठित की गयी है। परिषदों के गठन से पूर्व सर्वे किया गया है जिसमें प्रत्येक प्रान्त में 12-15 विद्यालयों का चयन किया। सर्वे के बिन्दु जैसे – मौखिक, गणित कक्षा, पुस्तकालय, शिक्षकों का ध्यान पाठ्यक्रम पूरा करना है या फिर छात्रों को सिखाना है। उन्होंने बताया कि परिषद का गठन प्रान्त से अखिल भारतीय स्तर तक होना है।

विद्या भारती की इस बैठक में सभी प्रतिभागियों ने सभी विषयों को समझा और कक्षा स्तर तक इसे ले जाएँगे। प्रान्त स्तर पर विषयों के प्रमुख बनाकर कार्य करना होगा। सबसे सुझाव और सहयोग लेकर कार्य आगे बढ़ाएंगे। भारत की ज्ञान परम्परा को समझने के लिए राष्ट्रीय शिक्षा नीति सशक्त माध्यम है।

विद्या भारती के 12000 से अधिक विद्यालयों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सफल क्रियान्वन करेगे ताकि अन्य विद्यालयों के लिए प्रेरणा स्रोत बने। डा. एस के धक्कड जी, ने अपने विचार 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति की आवश्यकता क्यों? शिक्षण में क्या है? चुनौतियाँ क्या है?' पर रखते हुए कहा कि 1.05 लाख युवा शिक्षित हो कर प्रतिवर्ष निकलते है। भारत बड़ी अर्थव्यवस्था है। हमें नई-नई स्किल सीखनी पड़ेगी। एक प्रतिशत भारतीयों को ही नोबल पुरस्कार मिला है जो कि बहुत कम है। समस्याओं पर सोचने की शक्ति युवाओं की देन है।" तकनीकी में AI का उपयोग करना बहुत महत्वपूर्ण है। सभी स्ट्रीम के छात्रों को योग्य बनाना है Hard Skill की विविध प्रकार छात्रों में आने चाहिए।

श्री विपिन राठी, NCT सदस्य ने 'आचार्य दैनंदिनी एवं पाठयोजना' पर आये हुए प्रतिभागियों के समक्ष अपने विषय को छ: बिन्दुओं में समझाया।

1. Rootedness in Bharat and Bharatiya knowledge system.

2. (i) Values and Dispositions (ii) Values of the Teachers Principals and system.

3. learning about and caring for Environment.

4. Inclusion in School

5. Guidance and Counselling in School .

6. Educational Technology

प्रो. अमरेन्द्र बेहरा ने ICT Based learning (सूचना और संचार प्रौद्योगिकी) के विषय पर उद्बोधन देते हुए कहा कि शैक्षिक भाषाओं में तकनीकि का सहयोग कैसे कर सकते हैं। तकनीक के माध्यम से 14 भाषाओँ में ट्रांसलेट की सुविधा है।तकनीक के माध्यम से राष्ट्रीय शिक्षा नीति में आने वाली चुनौतियों की सरल किया जा सकता है। तकनीक ही एक ऐसा साधन है जिससे कम समय में अधिक काम किया जा सकता है। छात्र की समझ जिस भाषा में अधिक हो उसी भाषा में शुरुआत करना चाहिए।

श्री देशराज शर्मा, महामंत्री विद्या भारती उत्तर क्षेत्र, ने (learning (सीखना) Out Comes (क्या सीखा) के विषय को समझाते हुए बताया कि हमारे जीवन में सिखने की क्या आवश्यकता है, व्यवहार में परिवर्तन लाना, अज्ञानता से बाहर आना, अनुकरण से सीखना, क्रिया व उपयोग से सीखना ही सीखना है।

माननीय जे.एम. काशीपति जी का ओडिशा प्रान्त प्रवास

ओडिशा | अखिल भारतीय कार्यकारिणी सदस्य, विद्या भारती, श्री जे.एम. काशीपति का ओडिशा प्रान्त में एक से आठ नवंबर तक प्रवास रहा। इस दौरान माननीय काशीपति जी ने सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर, समुद्र तट पर स्थिति पाराद्वीप के कार्यकर्ता संस्कार केन्द्र का अवलोकन किया और छात्र-छात्राओं से वार्तालाप किया।

श्री काशीपति का लुणिभाढिआ, रामनगर, केन्द्रपडा एवं नूआगा संस्कार केन्द्र में जाना हुआ। श्री जे एम काशीपति और ओडिशा शिक्षा विकास समिति के संगठन मंत्री श्री तारक दास सरकार चिलिका तटवर्ती सरस्वती शिशु मंदिर परिकुड द्वारा संचालित संस्कार केन्द्र परिदर्शन किए। इस अवसर पर खुर्दा विभाग के निरीक्षक श्री नृसिंह चरण मिश्र भी उपस्थित थे।

ताड़कापल्ली में बालिका छात्रावास का उद्घाटन

तेलंगाना । श्री सरस्वती विद्यापीठ (विद्या भारती तेलंगाना), श्री विद्यारण्य आवासीय विद्यालय, ताड़कापल्ली में दक्षिण केन्द्रीय क्षेत्र संगठन मंत्री श्री लिंगम सुधाकर रेड्डी ने नवनिर्मित बालिका छात्रावास का उद्घाटन किया।

गीता में वर्णित निष्काम कर्मयोग

वैचारिक लेख

सामान्यतः घरों में गीता उपदेश के चित्र के साथ पंचांग दीवारों पर लगा मिलता है और उस पर साधारण बात लिखी मिलती है, 'कर्म करो फल की चिंता मत करो'। सहज बातचीत में भी यह विषय बार बार आता है। यह गीता के एक श्लोक का संक्षिप्त भाग है।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।। 2.47 ।।

एक बात और ध्यान आती है। एक पत्रिका में एक महिला पत्रकार के नाम पर एक लेख प्रकाशित हुआ जिसका शीर्षक था 'We are Hindu'. शीर्षक से ध्यान आ सकता है कि महिला पत्रकार भारतीय मूल की रही होगी। परन्तु ऐसा नहीं था। वह महिला अमेरिकी मूल की थी। फिर उस महिला पत्रकार ने We are Hindu क्यों लिखा? – यह लेख पढ़ने पर ध्यान में आया। वह लिखती है कि हम अमेरिका के वासी हैं। अमेरिका की भूमि भोग भूमि है। 'Eat drink and be merry'..'खाओ पीयो और मौज करो' ये वहां का सिद्धांत है। दूसरी ओर भारत भूमि, जहाँ गीता में कर्म करने के लिए कहा है और वहां के लोग कार्य करने में विश्वास करते हैं। अब कुछ अमेरिका वासी भी गीता के कर्मयोग को आत्मसात कर कर्म करने में विश्वास करने लगे हैं। इसलिए वे लिखती है We are Hindu.

कर्मयोग एक पंक्ति में तो सरलता से समझ आता है और उस भाव को सामान्य समाज ने समझा भी है। फिर आज के भौतिकवादी युग में कर्म भी करना और फल की चिंता भी नहीं करनी यह कैसे संभव है। बिना फल की चिंता किए कर्म में रूचि कैसे होगी तथा बिना रूचि के कर्म पूर्णता की ओर कैसे जाएगा ऐसी अनेक प्रकार की उलझन है। कर्मयोग को ठीक प्रकार से समझने की आवश्यकता है।

कर्म की निरन्तरता

श्रीमद भगवद्गीता में बार बार इस बात का उल्लेख मिलता है कि हमें निरंतर कर्म करते रहना चाहिए। कर्म के परिणाम को देखकर कई बार मनुष्य कर्म करना बंद करता है। परिणाम अच्छा आता है तो गति तेज हो जाती है और गलत अथवा कम आता है या तो गति कम हो जाती है या बिल्कुल रुक जाती है। परिणाम अच्छा या गलत परिश्रम अनुसार आता है परन्तु गति कम करने या रोकने से तो जीवन भी रुक जाएगा। अतः कर्म की निरंतरता आवश्यक है।

एकाग्रता

गीता में कर्मयोग का वर्णन है। व्यक्ति एकाग्रता से कर्म करे तो परिणाम अच्छा आने का प्रतिशत स्वाभाविक ही बढ़ेगा और आनंद भी होगा। विद्यार्थी अपनी शिक्षा एकाग्रता से ग्रहण करेगा तो अंक अच्छे आएँगे ही। उस शिक्षा का उसके जीवन

पर भी प्रभाव पड़ेगा। फिर चाहे विद्यार्थी हो, व्यवसायी हो, किसान या कर्मचारी हो सब प्रकार के कर्म में एकाग्रता तो चाहिए ही।

अनासक्त भाव

कर्म में आसक्ति यानि मोह होना स्वाभाविक है। परन्तु गीता में वर्णन है कर्म करो पर उससे आसक्त मत हो। कई बार व्यक्ति सामाजिक संस्था में कार्य करते हुए अच्छा समय लगाता है। अब सामाजिक संस्था है उसके सदस्य-पदाधिकारी बदलते रहते है। जब इस व्यक्ति के बदलने की बारी आती है तो वह बदलना नहीं चाहता। वह न बदले तो कई प्रकार से प्रयास करता है और इस प्रयास में इस मूल भाव को भूल जाता है कि वह किस सेवा भाव के साथ संस्था से जुड़ा था। वह इस संस्था में अपने द्वारा किए गए कार्य एवं पद के प्रति आसक्त है। सामाजिक जीवन में परिस्थितियां बदलती रहती है। अपना कार्य समयानुसार करते हुए कर्म करना है।

समभाव

गीता में वर्णन है – 'समत्वं योग उच्यते'। व्यक्ति जब कर्म करता है तो उसके मन में भाव आता है कि कार्य पूर्ण होना ही चाहिए और यदि पूर्ण नहीं हुआ तो निराशा का भाव आता है व पूर्ण हुआ तो प्रसन्नता का भाव। लेकिन गीता के अनुसार कर्म करते हुए समभाव चाहिए। कार्य पूर्ण हुआ या अपूर्ण, परिणाम ठीक हुआ या गलत, व्यक्ति के मन में समान भाव हो।

निष्काम कर्म

निष्काम कर्म की भी चर्चा आती है। निष्काम – कामना रहित कर्म करने की सर्वोच्च अवस्था इसे कह सकते है। व्यक्ति कर्म कर रहा है। कर्म करते हुए उसके अनेक प्रकार के स्तर हैं, उन्हें पार करते हुए एक अवस्था ऐसी होती है जब वह कर्म को 'कर्तव्य रूप' समझकर कर रहा है। अधिकार व फल की कामना नहीं है। तीन प्रकार के कर्ता का वर्णन आता है। एक बिना सोचे समझे कर्म कर रहा है। दूसरा कर्म करते हुए चरम अवस्था तक आ गया है और विरक्त हो जाता है तथा तीसरा चरम अवस्था आने पर भी 'कर्तव्य रूप' समझकर कर रहा है। यह तीसरा प्रकार कर्मयोग है।

आगे जारी ...

लोक कल्याण

वर्तमान जन-जीवन में व्यक्ति के कर्म करने का उद्देश्य अपनी लाभ पूर्ति है। इसे भौतिक लाभ पूर्ति कह सकते है। जबकि गीता में कर्म करने का उद्देश्य लोक कल्याण है। एक विद्यार्थी अपना लक्ष्य रखता है कि डॉक्टर बनूंगा। डॉक्टर बन गया अब क्या करूँगा यह वह सोचता है।

लोक कल्याण की भावना यदि मन में है तो वह सोचेगा कि दीन-दरिद्र रोगी व्यक्ति की सेवा करनी है तो इसलिए मुझे डॉक्टर बनना है। कर्म में लोक कल्याण के भाव का समावेश अति आवश्यक है।

लोकमान्य बालगंगाधर तिलक जी ने गीता रहस्य में कहा है, "धर्म और व्यावहारिक जीवन अलग नहीं है। संन्यास लेना जीवन का परित्याग करना नहीं है। असली भावना सिर्फ अपने लिए कर्म करने की बजाय देश को अपना बना, मिलजुल कर कर्म करना है। इसके बाद का कदम मानवता की सेवा करना है और यह कदम ईश्वर सेवा है।"

स्वामी विवेकानंद जी ने कहा है, "दुःख का एकमेव कारण यह हैं कि हम आसक्त हैं, हम वृद्ध हो जा रहे हैं। इसलिए गीता में कहा है – निरंतर काम करते रहो, पर आसक्त मत हो, बन्धनों में मत पड़ो। प्रत्येक वस्तु से अपने आपको स्वतंत्र बना लेने की शक्ति स्वयं में संचित रखो। वह वस्तु तुम्हें बहुत प्यारी क्यों नहीं लगती हो, तुम्हारा प्राण उसके लिए चाहे जितना ही लालायित क्यों न हो, उसके त्यागने में तुम्हें चाहे जितना कष्ट क्यों न उठाना पड़े, फिर भी अपनी इच्छानुसार उसका त्याग करने की अपनी शक्ति मत खो बैठो।"

लोक कल्याण की दृष्टि, अनासक्त होकर व समभाव रखते हुए एकाग्र होकर 'कर्तव्य रूप' कर्म ही निष्काम कर्मयोग है। इस निष्काम कर्मयोग के अभ्यास के लिए निरन्तरता आवश्यक है।

- रवि कुमार

योगासन समारोह-2023 का आयोजन

कटक । सरस्वती विद्या मंदिर (आवासीय), केशवधाम, गतिराउत पटना, कटक, ओडिशा में योगासन समारोह-2023 का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि डॉ. जगन्नाथ मेडिकल कॉलेज पुरी की पूर्व प्रोफेसर एवं फिजियोलॉजी विभाग की प्रमुख प्रो. अर्पिता प्रियदर्शनी त्रिपाठी ने दैनिक जीवन में योग के महत्व को रेखांकित किया। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर बालूबाजार के विद्यार्थियों ने योग का प्रदर्शन किया।

विद्या भारती पूर्वी क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री दिबाकर घोष, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सद्भावना प्रमुख श्री गोपाल प्रसाद महापात्र, विद्या भारती के योग संयोजक राजेश जी ने भी विचार व्यक्त किए। शिक्षा विकास समिति, ओडिशा पूर्वोत्तर संभाग के संपादक श्री महेंद्र कुमार घड़ाई ने अतिथियों का परिचय दिया। स्कूल की कोषाध्यक्ष श्रीमती इंदुमती देवी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। विद्या भारती दिल्ली प्रान्त के संगठन मंत्री रवि कुमार, अखिल भारतीय कबड्डी संयोजक एवं खेल अधिकारी विभूति भूषण दास, शिक्षा विकाश समिति, ओडिशा के अध्यक्ष श्री किशोर चंद्र महांती, वरिष्ठ प्रचारक श्री विजय गणेश कुलकर्णी, शिक्षा विकास समिति, ओडिशा के संगठन मंत्री श्री तारक दास सरकार, उत्तर पूर्व संयोजक तुसार रंजन दास, पूर्वी क्षेत्र के योग संयोजक मधुसूदन बारिक उपस्थित रहे। इस समारोह में भारत के 11 क्षेत्रों के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों द्वारा योग का प्रदर्शन किया गया। इस समारोह में ओडिशा शिक्षा विकास समिति के वरिष्ठ पूर्णकालिक अधिकारियों ने भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

विद्यालय द्वारा स्थापित अटल टिंकरिंग लैब

शैक्षिक प्रयोग

कुरुक्षेत्र | विद्या भारती के तत्वाधान में कार्यरत विद्यालय गीता निकेतन विद्या मंदिर कक्षा 8 तक संचालित है। यह एक स्थापना नहीं, बल्कि एक सोच थी। विद्या भारती का प्रयास सदैव उच्चतम शिक्षा और छात्रों के संपूर्ण विकास पर रहा है। विद्यालय ने अपने स्तर पर कंप्यूटर लैब के अन्दर ही एक अटल टिंकरिंग लैब की स्थापना की, जिसमें लगभग 1 लाख रुपये का निवेश किया गया और एक विशेष शिक्षक को इसके प्रबंधन के लिए नियुक्त किया गया। यह लैब नीति आयोग द्वारा आवंटित न होकर विद्यालय के स्वयं के प्रयास के द्वारा स्थापित की गई है।

अटल टिंकरिंग लैब विद्यालय के छात्रों में जिज्ञासा, रचनात्मकता और कल्पना को बढ़ावा देने के साथ-साथ नए युग के कौशल प्रदान करने के लिए एक प्रयास है। अटल टिंकरिंग लैब(stem)विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित विषयो को एक एकल Cross Displinary प्रोग्राम में जोड़ती है ।

अटल टिंकरिंग लैब के शिक्षा के क्षेत्र में प्रमुख उद्देश्य :-

- अटल टिंकरिंग लैब छात्रों को विज्ञान प्रोधोगिकी इंजीनियरिंग और गणित के जटिल सिद्धान्तों को समझाने के अवसर प्रदान करती है।
- यह छात्रों को उनकी वैज्ञानिक खोज और प्रयोग करने में सहायता करती है ।
- यह तार्किक और विश्लेष्णात्मक कौशल को बढ़ाकर व्यवहारिक बुद्धिमता को बढ़ावा देगा।
- यह प्राम्भिक चरण से छात्रों में प्रोग्रामिंग सिखने में सहायता करेगा। NEP 2020 अनुसार यह नए उच्चतम स्तर की शिक्षा में एक मील का पत्थर साबित होगा छात्रों ने इस लैब में नवाचारी दिमागों की दिशा में कदम बढाया है । रोबोटिक्स मॉडल और स्वचालित पंप स्मार्ट पार्किंग सिस्टम जैसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे है। स्वचालित पंप से जो मिट्टी की नमी स्तर के आधार पर स्वचालित रूप से जल आपूर्ति को बंद और चालू करते है इससे न केवल छात्रों का उत्साह बढ़ा बल्कि वे विज्ञान में भी अधिक अग्रसर हो गए है जो अटल टिंकरिंग लैब हिस्सा नहीं थे। छात्र प्रारंभिक चरण से ही प्रोग्रामिंग सीख रहे हैं। अभी तक छात्र SCRATCH सॉफ्टवेयर, पिक्टोब्लोक्स सॉफ्टवेर, पिक्टोब्लोक्स सॉफ्टवेर सीख चुके है इन सॉफ्टवेयरों का प्रयोग करके छात्र गेम तथा Animated Stories Design कर पा रहे है।

इस पहल का छात्रों पर प्रभाव :

नवाचारी सोच और अभियांत्रिक मनोबल: यह लैब छात्रों में नवाचारी सोच और अभियांत्रिक मनोबल को बढ़ाता है। वे

अनुभव, प्रायोगिकता, और नए विचारों को समझने का संदर्भ प्राप्त करते हैं।

समस्या समाधान कौशल: इन लैब में, छात्रों को वास्तविक जीवन में आने वाली समस्याओं को हल करने के लिए तकनीकी समाधान ढूंढने की क्षमता मिलती है।

क्रियात्मकता और स्वतंत्रता: छात्रों को स्वतंत्रता और संवेदनशीलता से काम करने का अवसर मिलता है, जिससे उनकी क्रियात्मकता में वृद्धि होती है।

व्यक्तिगत विकास: छात्रों का व्यक्तिगत विकास होता है, जैसे कि वे सहनशीलता, समर्थन, और समस्याओं का समाधान करने की क्षमता में सुधार देख रहे हैं।

लैब की प्रेरणा प्रधानाचार्य जी के द्वारा प्राप्त हुई। उनके अनुसार सभी आधुनिक विषयों को केवल सिद्धांत के माध्यम से नहीं बल्कि अनुभव आधारित शिक्षण तकनीक के माध्यम से करवाया जाये और छात्र प्रारम्भिक स्तर से ही कौशल को अर्जित करने के लिए उत्सुक रहे, इसलिए विद्यालय के द्वारा अटल टिंकरिंग लैब को प्रारंभ करने का कदम उठाया गया ।

लैब में कक्षा 5 से 8 तक नियमित 80 छात्र प्रतिदिन लैब में आते है।

लैब के लिए अलग से कालांश नियोजित किया गया है प्रत्येक सप्ताह में कक्षा 5 से 8 के लिए 3 कालांश रखे गये हैं।

लैब छात्रों विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जटिल सिद्धान्तों को इसके द्वारा सरलता से समझने का अवसर प्रदान करती है इसलिए छात्र रुचिपूर्ण ढंग से इसमें भाग लेते है । आचार्य और अभिभावक लैब को लेकर बहुत ही उत्साहित है ताकि छात्रों को लैब के माध्यम से आधुनिक युग की तकनीक के साथ जोड़कर उज्जवल भविष्य का निर्माण किया जा सके ।

लैब में मुख्य 10 प्रोजेक्ट बनाये गए है और भी प्रोजेक्ट्स पर अभी काम चल रहा है ।

Smart Dustbin, Blind Stick, Smart Irrigation systems, platform Train Accident prevention systems, platform Train Accident prevention systems,

आगे जारी ...

Radar using ultrasonic sensors, Smart car parking systems, Automatic Street lights, Obstacle Detectors, Door Safety systems, and Home Safety Alarm.

शिक्षण में सहायक

"Electric Circuits" एक महत्त्वपूर्ण विषय है जो विज्ञान के क्षेत्र में कक्षा 6 से 8 में अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। बच्चे जो अटल लैब में इस विषय को सीखते हैं, वे अन्य बच्चों की तुलना में इसे आसानी से समझने में सक्षम हैं।

इसका मुख्य कारण है :

प्रैक्टिकल एप्लीकेशन: अटल लैब में बच्चों को इलेक्ट्रिकल सर्किट्स के बारे में प्रैक्टिकल अनुभव और अभ्यास मिलता है जिससे उनकी समझ में अधिकता बढ़ती है।

सामान्यीकृत सोच: अटल लैब के प्रोग्राम्स और उपकरणों का उपयोग करके, बच्चे इस विषय को सामान्य और सरल तरीके से समझते हैं, जिससे वे इसे अन्यों की तुलना में जल्दी समझ पाते हैं।

शिक्षक रामपद जमातिया को कृष्ण चंद्रगांधी अवॉर्ड

असम । कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार 2023 का आयोजन पांच नवंबर को जिला पुस्तकालय सभागार हाफलोंग, असम में किया गया। त्रिपुरा के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षक, श्री रामपद जमातिया को जनजातीय बच्चों की शिक्षा के लिए कृष्णचंद्र गांधी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि श्री जयंत मल्लबारुआ, माननीय पीएचई, कौशल विकास, रोजगार और उद्यमिता और पर्यटन मंत्री, असम सरकार और विशिष्ट अतिथि श्री देबोलाल गोरलोसा, सीईएम, डीएचएसी रहे। इस अवसर पर विशेष रूप से डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी, अध्यक्ष विद्या भारती संस्कृत शिक्षा संस्थान, कुरुक्षेत्र उपस्थित रहे।

केरल प्रांत चिंतन बैठक व्यास विद्या पीठम पालक्काड़ में श्री अवनीश भटनागर, महामंत्री विद्या भारती ने भाग लिया

34वां अखिल भारतीय खेलकूद समारोह (एथलेटिक्स)

खेलों में भी करियर की असीम संभावनाएं- राज्यपाल

माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान द्वारा महाराजा स्टेडियम, बेतिया में '34वाँ अखिल भारतीय खेलकूद (एथलेटिक्स) समारोह, 2023' का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद में अनुशासन और संस्कारों का काफी महत्व है। विद्या भारती विगत अनेक वर्षों से विद्यार्थियों को सुसंस्कारित बनाने हेतु प्रयत्नशील है।

बेतिया। विद्या भारती का 34वां राष्ट्रीय खेलकूद समारोह (एथलेटिक्स) 4-8 नवंबर 2023 तक सरस्वती विद्या मंदिर के आतिथ्य में शहर महाराजा स्टेडियम में आयोजित किया गया। खेलकूद समारोह का उद्घाटन करते हुए बिहार के राज्यपाल महामहिम राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने कहा कि खेलकूद में असीम संभावनाएं हैं। इसमें भी बच्चे करियर बनाकर राज्य और देश का नाम रोशन कर सकते हैं। विद्या भारती के विद्यालयों में शिक्षा के साथ अनुशासन, शिष्टाचार, संस्कार भी सिखाया जाता है। प्रतियोगिता में विभिन्न प्रांतों से 850 खिलाड़ी छात्र, 150 संरक्षक, आचार्य एवं 120 निर्णायक शामिल रहे। अध्यक्षता विद्या भारती उत्तर पूर्व क्षेत्र के अध्यक्ष श्री रंजीत कुमार वर्मा ने की।

खेलकूद समारोह का प्रस्तावना उद्बोधन विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री हेमचंद्र ने किया। विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री श्री ब्रह्माजी राव ने भी विचार रखे। धन्यवाद ज्ञापन लोक शिक्षा समिति बिहार की अध्यक्ष डॉ. सुधा बाला ने किया। इस मौके पर बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री ख्यालीराम, क्षेत्रीय सचिव श्री नकुल कुमार शर्मा, विद्या भारती दक्षिण बिहार के सचिव श्री प्रदीप कुमार कुशवाह, विद्या भारती झारखंड के सचिव श्री अजय तिवारी, राष्ट्रीय खेलकूद आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर प्रवीर चक्रवर्ती, गांधी दर्शन एवं स्मृति समिति, नई दिल्ली के निदेशक डॉ. ज्वाला प्रसाद आदि उपस्थित रहे।

22वां अखिल भारतीय विज्ञान मेला

अखिल भारतीय विज्ञान मेले में ओवरऑल चैम्पियन बना उत्तर पूर्व बिहार क्षेत्र। उत्तर क्षेत्र रनर-अप रहा।

अमृतसर। माधव विद्या निकेतन सीनियर सेकेण्डरी स्कूल, ए-ब्लॉक रंजीत एवेन्यू, अमृतसर में 4 से 7 नवंबर तक विद्या भारती अखिल भारतीय विज्ञान मेले का आयोजन किया गया। विज्ञान मेले में उत्तर पूर्व बिहार क्षेत्र ओवरऑल चैम्पियन बना, जबकि उत्तर क्षेत्र रनर-अप रहा। उत्तर पूर्व क्षेत्र को ओवरऑल चैम्पियन की ट्राफी क्षेत्र प्रमुख श्री राजाराम शर्मा को प्रतिभागी बच्चों के साथ भेंट की गई।

इससे विज्ञान मेले का उद्घाटन डॉ. आदर्श पाल विज, अध्यक्ष पंजाब प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, विशेष अतिथि प्रतिष्ठित व्यापारी श्री अनिल कोछड, श्री रविंद्र कान्हेरे उपाध्यक्ष, विद्या भारती ने किया। डॉ. आदर्श पाल विज ने कहा कि हमारे प्राचीन ऋषि-मुनि, संत और वेद शास्त्र सभी वैज्ञानिक सोच से जुड़े हुए हैं। श्री शिव कुमार अखिल भारतीय मंत्री विद्या भारती ने विज्ञान प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टि होना आवश्यक है। विज्ञान मेले का उद्देश्य यही दृष्टि विकसित करना है। वहीं, समापन समारोह में मुख्य अतिथि रिटायर्ड आईएएस डॉ जगमोहन सिंह राजू ने कहा कि किसी भी देश के विकास तरक्की के लिए विज्ञान बहुत जरूरी है। भारत की संस्कृति ही विज्ञान पर आधारित है। विशेष अतिथि डॉक्टर विनय कपूर मेहरा फार्मर फाउंडर वी.सी. लॉ यूनिवर्सिटी सोनीपत ने भी विचार रखे।

विज्ञान मेले में 11 क्षेत्रों के 47 प्रांतों से 282 प्रतिभागी छात्रों (174 भैया व 108 बहनें), 146 संरक्षक आचार्य और 15 क्षेत्रीय अधिकारियों ने भाग लिया। विज्ञान मेले में विद्या भारती उत्तर क्षेत्र के संगठन मंत्री श्री विजय नड्डा, उत्तर क्षेत्र महामंत्री श्री देशराज शर्मा, उत्तर क्षेत्र उपाध्यक्ष श्री सुरिंदर अत्रि, प्रान्तीय संगठन मंत्री श्री राजेंद्र कुमार, प्रांतीय महामंत्री श्री नवदीप शेखर, अखिल भारतीय विज्ञान संयोजक श्री नगेन्द्र पांडे आदि भी उपस्थित रहे।

इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. निशंक ने नन्हें वैज्ञानिकों से किया संवाद

विद्या भारती अखिल भारतीय विज्ञान मेले में विज्ञान वार्ता के लिए आमंत्रित विद्या भारती के पूर्व छात्र व इसरो के वरिष्ठ वैज्ञानिक डा. निशंक ने चंद्रयान की सॉफ्ट लैंडिंग से स्पेस साइंस तक विस्तृत चर्चा की।

संस्कृति बोध परियोजना पुस्तक पुनर्लेखन कार्यशाला-3 का आयोजन

कुरुक्षेत्र । विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में अखिल भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा में उपयोग की जाने वाली कक्षा 4 से 12 तक की बोधमाला पुस्तकों के पुनर्लेखन के लिए चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि इन पाठ्य-पुस्तकों के 9 पाठों में समग्र भारतीय संस्कृति का लघु स्वरूप दिखाई देता है। अध्यक्षता करते हुए डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी ने कहा कि लेखकों के परिश्रम से जो ग्रन्थ बनेंगे, उनके अध्ययन से विद्यार्थी ग्रंथियों से दूर होंगे। नया ज्ञान कहीं से आए, उस तत्व को मूल रूप से स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना है।

संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह ने बताया कि नवीन पाठ्यक्रम में भारतमाता, हमारा भारत राष्ट्र, हमारी भारतीय संस्कृति, हमारी परिवार व्यवस्था, हमारी ज्ञान परम्परा, हमारी वैज्ञानिक परम्परा, हमारा गौरवशाली अतीत, हमारी संस्कृति का विश्व संचार, हमारा अभिनव भारत विषय सम्मिलित किए गए हैं। कार्यशाला में संस्थान के सचिव श्री वासुदेव प्रजापति, संयोजक श्री दुर्गसिंह राजपुरोहित, श्री कृष्ण कुमार भंडारी, श्री गोपाल माहेश्वरी, श्री राजकुमार सिंह, श्री अम्बिकादत्त कुंडल, श्री अजय तिवारी, श्री राघवेंद्र शुक्ल, श्री रविशंकर शुक्ल, श्री गोपाल शर्मा, श्री कमल कुमार, श्री अनिल कुलश्रेष्ठ, श्री संतोष देवांगन आदि उपस्थित रहे।

परिवार स्नेह मिलन कार्यक्रम का आयोजन

सामाजिक समरस समाज बनाएं- नंदलाल जोशी | 'सहज अभिव्यक्ति भाग-3' पुस्तक का विमोचन

कुरुक्षेत्र । विद्या भारती संस्कृति शिक्षा संस्थान में परिवार स्नेह मिलन एवं पुस्तक विमोचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता श्री नंदलाल जोशी वरिष्ठ प्रचारक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने कहा कि सच्चे अर्थों में सुखी जीवन, सार्थक जीवन, आनंदमय और यशमय जीवन का जितना गहरा चिंतन-मंथन भारत की धरती पर हुआ है वह बहुत अद्भुत है। वर्तमान समय में संयुक्त परिवार तेजी से टूटकर एकल परिवारों में बदल रहे हैं। एकल परिवार आर्थिक रूप से संपन्न होता है, लेकिन इसमें सहनशीलता, परस्पर सहयोग व संस्कारों की कमी देखी जा सकती है। इस कारण परिवार का प्रत्येक सदस्य चिंता से ग्रस्त हो रहा है। आज सामाजिक समरस समाज बनाने की महती आवश्यकता है। परिवारों में सकारात्मक ऊर्जा एवं उत्साह का वातावरण बनाने के लिए परिवारजनों को मिलकर अपने ईष्ट की वंदना, जप, कीर्तन आदि करना चाहिए। एक साथ भोजन करने एवं बच्चों को संस्कारवान शिक्षा देने से परिवार में सकारात्मकता आती है। मुख्य अतिथि विद्या भारती के महामंत्री श्री अवनीश भटनागर ने कहा कि संस्कृति, शिक्षा, साहित्य और परिवार यह सब एक साथ चलने वाली विधाएं हैं। विद्यार्थी, विद्यार्थियों को शिक्षा देने वाले शिक्षक, शिक्षा तंत्र की व्यवस्थापना और अभिभावकों से मिलकर ही समाज बनता है। परिवार स्नेह मिलन की भूमिका रखते हुए वासुदेव प्रजापति ने कहा कि सत्संग की हमारे समाज में अत्यंत महत्ता है।

लोक शिक्षा का सशक्त माध्यम सत्संग है। सत्संग आनंद और कल्याण का मूल है। अध्यक्षता संस्थान के अध्यक्ष डॉ. ललित बिहारी गोस्वामी ने की। संस्थान के निदेशक डॉ. रामेन्द्र सिंह, डॉ. हुकम सिंह, कृष्ण कुमार भंडारी, हरीश गर्ग, सुरेन्द्र मोहन, बलबीर, ममता सूद, डॉ. संजीव, डॉ. अनुराधा, चेतराम आदि उपस्थित रहे। इस अवसर पर 'सहज अभिव्यक्ति भाग-3' पुस्तक का विमोचन किया गया। साहित्यकार कमलेश भट्ट 'कमल' ने कहा कि ये पुस्तक जीवन जीने की कला है।

महामहिम राज्यपाल हरियाणा ने शिक्षा महाकुंभ 2023 की प्रोसीडिंग्स (कार्यवाही)का किया विमोचन

कुरुक्षेत्र । विद्या भारती उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधि मंडल श्री काशीपति जी के नेतृत्व में महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय से मिला। शिक्षा संबधी अनेक विषयों पर सकारात्मक चर्चा हुई। महामहिम ने शिक्षा क्षेत्र में विद्या भारती के योगदान की प्रशंसा की। इस अवसर पर शिक्षा महाकुंभ 2023 की प्रोसीडिंग्स (कार्यवाही) का विमोचन भी किया।

दीपावली स्नेह मिलन समारोह - पूर्व छात्र परिषद, नावां जिला-नागौर, प्रांत-जोधपुर, राजस्थान

पं० महेशानन्द नौटियाल शिक्षा एवं साहित्य प्रसार सम्मान 2023

उत्तराखण्ड | पं० महेशानन्द नौटियाल पं० गोविन्द प्रसाद नौटियाल स्मृति समिति नन्दप्रयाग जिला चमोली (उत्तराखण्ड) पवित्र 'केदारखण्ड के ग्रन्थ प्रकाशक एवं शिक्षा प्रसारक स्व महेशानन्द नौटियाल जी की स्मृति में पं० महेशानन्द नौटियाल शिक्षा एवं साहित्य प्रसार सम्मान 2023 विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान उत्तराखण्ड द्वारा केदारखण्ड एवं मानसखण्ड में 568 विद्यालयों के माध्यम से 1 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं को संस्कारवान, सनातनी एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत शिक्षा प्रदान करने के कीर्तिमान स्थापित करने पर संस्था को उत्तराखण्ड राज्य के यशस्वी मुख्यमंत्री मा० श्री पुष्कर सिंह धामी के कर कमलों से यह सम्मान सहर्ष प्रदान किया जाता है।

पूर्व छात्र सम्मेलन दीपावली स्नेह मिलन समारोह, बस्सी, जयपुर प्रांत

विद्या भारती के अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री मा. श्रीराम आरावकर का प्रवास

हरिद्वार/देहरादून । मायापुर सरस्वती विद्या मन्दिर इण्टर कॉलेज में आधारभूत विषय आयाम और केंद्रीय विषयों पर अखिल भारती सहसंगठन मंत्री मा. श्रीराम आरावकर ने मार्गदर्शन किया। श्री गोवेर्धन सरस्वती विद्यामन्दिर इंटर कॉलेज देहरादून में मा. श्रीराम आरावकर ने जिला केन्द्रों के प्रधानाचार्यों और आचार्यों का मार्गदर्शन किया। उन्होंने पृथ्वीकुल का अवलोकन किया।

विद्या भारती, शिक्षा विकास समिति ओडिशा के तत्वावधान में राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सरस्वती विद्या मंदिर, केशव धाम कटक में किया गया।

महानाट्य 'हिंदवी स्वराज्य' का मंचन

भोपाल। शारदा विहार आवासीय विद्यालय केरवा बाँध मार्ग भोपाल में हिंदवी स्वराज्य के 350 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में छत्रपति शिवाजी के जीवन चरित्र व युद्ध कौशल पर आधारित महानाट्य 'हिंदवी स्वराज्य' का मंचन किया गया। विद्यालय के 200 विद्यार्थियों ने तीन अलग-अलग मंचों पर महानाट्य की अद्भुत प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भव्यता लाने के लिए घोड़े, मंच पर किले की प्रतिकृति, कार्यक्रम की थीम के अनुसार लाइट्स व विशिष्ट वेशभूषा का प्रयोग किया गया। अध्यक्षता शारदा विहार जनकल्याण समिति के अध्यक्ष श्री मोहनलाल गुप्त ने की और मुख्य वक्ता विद्या भारती मध्यभारत प्रांत के संगठन मंत्री श्री निखिलेश माहेश्वरी व विशेष अतिथि शारदा विहार जनकल्याण समिति के सचिव श्री सुधीर दाते रहे। कार्यक्रम में क्षेत्रीय संगठन मंत्री श्री भालचंद्र रावले, क्षेत्रीय मंत्री श्री विवेक शेंडे,विशेष रूप से उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

विद्यालय के स्वर्ण जयंती वर्ष पर आयोजित कार्यक्रमों की कड़ी में आयोजन

कुरुक्षेत्र | राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: अवसर, प्रभाव और चुनौतियां विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन गीता निकेतन आवासीय विद्यालय कुरुक्षेत्र द्वारा संस्कृति भवन के नैमिषारण्य सभागार में किया गया। संगोष्ठी का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विभिन्न आयामों से परिचित कराना एवं भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार करना रहा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि एवं कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षार्थियों के सर्वांगीण विकास और 21वीं सदी के कौशल पर ज़ोर देती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति ज्ञान आधारित समाज के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है जो वैश्विक परिदृश्य और भारतीय ज्ञान परंपरा के बीच तालमेल स्थापित करती है। उन्होंने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन के अनेक अनुभव सांझा किए। तत्पश्चात् विद्या भारती, दिल्ली प्रांत के संगठन मंत्री एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री रवि कुमार जी ने शिक्षकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत केन्द्रित है। उन्होंने शिक्षा के तीन मुख्य उद्देश्य बताए जिसमें प्राचीन ज्ञान नई पीढ़ी को हस्तांतरित करना, नवीन ज्ञान का सृजन करना और भविष्य की चुनौतियों के लिए विद्यार्थियों को तैयार करना है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के सफल क्रियान्वयन हेतु शिक्षक की महत्वपूर्ण भूमिका बताई। उन्होंने कहा कि शिक्षक को मुख्य बिंदु होने के नाते कला संयोजन, अनुभव आधारित शिक्षण और आनंदमय शिक्षा को समझने की आवश्यकता है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ घनश्याम शर्मा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को शिक्षा के क्षेत्र में एक क्रांति कहा। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की उन्नति वहाँ दी जाने वाली शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 अहम भूमिका निभाएगी। द्वितीय सत्र में एनसीईआरटी दिल्ली के वरिष्ठ विशेषज्ञ प्रो सुभाष चंद्रा चौहान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन को धरातल पर लागू करने में आने वाली चुनौतियों पर प्रकाश डाला।अंतिम सत्र में एनसीईआरटी प्राथमिक शिक्षा विभाग की विशेषज्ञ प्रो पद्मा यादव ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा स्कूल शिक्षा- 2023 का सार प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि शिक्षा में सीखने को सहज, सरल और आकर्षक बनाने के लिए पाठ्यक्रम सावधानीपूर्वक निर्मित किया गया है। देशभर के सुधी शिक्षाविदों के साथ विचार मंथन कर इस पाठ्यक्रम की अनुशंसा की गई है। इस अवसर पर नगर तथा प्रांत के विद्या भारती व अन्य प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्राचार्य और आचार्य उपस्थित रहे।

विद्या भारती हिमाचल प्रांत की प्रांतीय प्रचार विभाग कार्यशाला

हिमाचल | विद्या भारती हिमाचल प्रांत की प्रांतीय प्रचार विभाग कार्यशाला सरस्वती विद्या मन्दिर भटेड़, जिला बिलासपुर में विद्या भारती दिल्ली प्रान्त संगठन मंत्री व केन्द्रीय प्रचार टोली सदस्य श्री रवि कुमार के विशेष सानिध्य में सम्पन्न।

विद्यालय का स्वर्ण जयंती समारोह

एटा। कलावती सरस्वती शिशु मंदिर सुनहरी नगर एटा में स्वर्ण जयंती समारोह (वार्षिकोत्सव) अतुल्य भारत समारोह मनाया गया। स्कूल परिसर में स्वामी विवेकानंद जी की प्रतिमा का अनावरण भी किया गया। राज्यसभा सांसद श्री हरनाथ सिंह यादव, श्री यतींद्र कुमार सह संगठन मंत्री विद्या भारती, सीबीएसई के को ऑर्डिनेटर डॉ. राममोहन और एडीएम प्रशासन श्री आलोक कुमार ने कार्यक्रम को संबोधित किया। इस अवसर पर स्वामी विवेकानंद शिक्षा प्रसार समिति के अध्यक्ष क्षेत्रपाल उपाध्याय, मंत्री श्री ब्रजनंदन माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष श्री सुबोध वर्मा, सरस्वती विद्या मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के अध्यक्ष श्री सुधीर गुप्ता, प्रबंधक श्री वीरेंद्र वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष श्री मनमोहन राठी, प्रधानाचार्य श्री प्रमोद कुमार वर्मा आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में करीब छह हजार लोग मौजूद रहे।

धूमधाम से मनाया दीपोत्सव

साढौरा, हरियाणा | 'सामाजिक समरसता' के लिए उठाया गया यह कदम बालकों में समरसता, संवेदना जागरण सेवा भाव एवं संस्कार का निर्माण करता है। हरियाणा विद्या मंदिर की प्रधानाचार्या अलका जी ने कहा कि जिस प्रकार हम अपने घर में दीपावली के उत्सव को हर्षोल्लास से मनाते हैं उसी प्रकार किसी दूसरे की भी दीपावली शुभ हो, इस हेतु हमें प्रयास करने चाहिए। विद्या मंदिर के बच्चों ने बस्ती के लोगों को फल, मिठाइयां, बच्चों द्वारा निर्मित साज-सज्जा का सामान एवं मिट्टी के दीपक वितरित किए। हरियाणा विद्या मंदिर के बालक एवं बालिकाओं द्वारा पड़ोस के एक मंदिर की सफाई एवं सज्जा भी की गई ।

विद्या मंदिर बेतिया के पूर्व छात्रों ने BPSC-67वीं में लहराया परचम

बेतिया । सरस्वती विद्या मंदिर, बरवत सेना, डॉ हेडगेवार नगर, बेतिया के पूर्व छात्र राजीव कुमार (दसवीं 2011 बैच), अनिल कुमार (दसवीं 2013 बैच) संदीप कुमार (दसवीं 2008 बैच), और रजनीश कुमार (दसवीं 2013) ने 67वीं बीपीएससी (BPSC) परीक्षा में सफलता हासिल कर परिवार के साथ विद्यालय व विद्या भारती परिवार को गौरान्वित किया है।

उत्तराखंड | N.D.A की परीक्षा में देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मुनस्यारी निवासी शिवराज सिंह पछाई उनके माता-पिता का विद्यालय की वन्दना सभा में सम्मान किया गया। शिवराज ने विद्यार्थियों को सम्बोधित भी किया।

विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान

प्रज्ञा सदन

जी.एल.टी. सरस्वती बाल मंदिर परिसर,
नेहरू नगर, महात्मा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली - 110065

@VidyaBharatiIN

www.vidyabharti.net |
www.vidyabharatisamvad.com

vbabss@yahoo.com | vbsamvad@gmail .com

91 - 11 -29840013, 29840126, 20886126

सेवा में ,